1914. *[Transferred to the 30th May, 1990]*

खाद्यान्न उत्पादन

1915. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने 1990-91 के वर्ष के लिए खाद्यान्न के उत्पादन के लिए 176.5 मिलियन टन का लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ख) क्या लक्ष्य पिछले वर्ष के खाद्यान्न उत्पादन के लक्ष्य से केवल 0.8 प्रतिशत अधिक है;

(ग) क्या यह भी सच है कि कृषि नीतियों और कार्यक्रमों संबंधी उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा है कि खाद्यान्न उत्पादन में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि होना अनिवार्य है; और

(घ) यदि हां, तो खाद्यान्न उत्पादन के कार्यक्रम समिति की सिफारिश के अनुसार न तैयार किए जाने के क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार) : (क) जी, हां।

(ख) 1989-90 के दौरान 170-173 मिलियन मीटरी टन के अनुमानित उत्पादन की तुलना में परिकल्पित वृद्धि 2.0-3.8 प्रतिशत के बीच होगी।

(ग) और (घ) श्री भानु प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गठित की गई कृषि नीति और कार्यक्रमों संबंधी उच्च शक्ति प्राप्त समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत नहीं की है।

पंजाब में युवाओं के लिए विशेष रोजगार कार्यक्रम

1916. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने पंजाब में, और विशेष रूप से सीमावर्ती जिलों में 15 से 20 वर्ष की आयु के युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम तैयार किया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार इस कार्यक्रम को कब तक कार्यान्वित करने का विचार रखती है?

श्रम और कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) से (ग) उपलब्ध सूचना के अनुसार, पंजाब सरकार ने एक योजना तैयार की है जो गुरदास पुर, फिरोजपुर तथा अमृतसर के सीमावर्ती जिलों में 16 किलोमीटर के सीमावर्ती क्षेत्र से 16 से 20 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं को रोजगार प्रदान करेगी। चुने हुए व्यक्तियों को राशन के लिए धन तथा जेब खर्च दिया जाएगा तथा कर्मों में रखा जाएगा और प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें तत्पश्चात या तो पुलिस, होमगार्ड अथवा अन्य सरकारी नौकरियों में समविष्ट करने के प्रयास किए जाएंगे अथवा उन्हें अपने स्वयं के लघु एकक/उद्यम स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना में लगभग 10,000 युवा व्यक्ति शामिल किए जाएंगे।

त्रिलोकपुरी, दिल्ली में मकानों का आवंटन

1917. डा० जितेन्द्र कुमार जैन : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा त्रिलोकपुरी में बनाये गये लगभग 300 मकान खाली पड़े हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो इन मकानों को पात्र व्यक्तियों को आवंटित न किये जाने के क्या कारण हैं;